हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 29 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आकस्मिक निरीक्षण में विद्यार्थियों की उपस्थिति और अपार आईडी पर जोर

मण्डला। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा जिले के नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय बिछिया, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बिछिया तथा शासकीय हाई स्कूल खड़देवरा का 27 जून को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्राचार्यों को विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी विद्यार्थियों का नामांकन ''यू-डाइस पोर्टल'' एवं ''शिक्षा पोर्टल 3.0'' पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए कहा गया। इसके अतिरिक्त अधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों की 30 जून तक शत-प्रतिशत अपार आईडी जनरेट कराने के निर्देश दिए, ताकि शासन की डिजिटल शिक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में आवश्यक अभिलेखों एवं शैक्षणिक गतिविधियों का भी अवलोकन किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

समाज सेवी रमेश यादव का निधन

भुआबिछिया। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक जल संसाधन विभाग से सेवानिवृत्त, यादव समाज के सचेतक समाजसेवी, सतेंद्र यादव मनीष यादव के पिता श्री रमेश यादव का अचानक हृदय आघात के कारण दुखद निधन हो गया, कल उनका अंतिम संस्कार वार्ड नंबर 14 भुआ के मुक्तिधाम में किया गया शव यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए ओर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

मण्डला को मिली 29.35 करोड़ के नवीन औद्योगिक क्षेत्र मोहनिया पटपरा की सौगात

मण्डला के उद्यमियों से सीएम ने की सीधी बात

*** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया वर्चुअल भूमि पूजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के गरिमामयी अवसर पर शनिवार को भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का जिला स्तरीय आयोजन एवं सीधा प्रसारण एन.आई.सी. मण्डला में किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मण्डला जिले के नवीन औद्योगिक क्षेत्र मोहनिया पटपरा (क्षेत्रफल 27.02 हेक्टेयर, अनुमानित लागत 29.35 करोड़ का वर्चुअल भूमि पूजन कर जिले को एक बड़ी सौगात दी गई।

मण्डला जिले में औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने की इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति विशेष आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने मण्डला के सफल उद्यमियों से किया ऑनलाइन संवाद

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मण्डला जिले के सफल उद्यमियों और हितग्राहियों से सीधा ऑनलाइन संवाद कर उनके उद्यमों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। जिसमें जिला अध्यक्ष लघु उद्योग भारती श्री अनिल वीरानी, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती एवं ओडीओपी इकाई संचालक श्री सुरेंद्र पमनानी, एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 के लाभार्थी श्री अंकित अग्रवाल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना की हितग्राही श्रीमती आरती भांडे और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितग्राही श्री निकेत सराफ से चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी उद्यमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एन.आई.सी. मण्डला में आयोजित इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत मीना, एसडीएम, मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्री दिनेश कुमार मर्सकोले, सहायक संचालक श्री बलराम यादव, एल.यू.एन. श्री विकास सिंह सहित उद्योग विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय उद्योगपति उपस्थित थे। इस नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना से मण्डला जिले में स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

सरकारी अस्पताल में दवा वितरण पर उठे सवाल

*** मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर भेजने के आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया की दवा वितरण व्यवस्था को लेकर क्षेत्र में गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों एवं क्षेत्रीय सूत्रों का आरोप है कि अस्पताल में पैंटॉप, टिटनेस इंजेक्शन सहित कई आवश्यक दवाओं के उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर मरीजों को निजी मेडिकल स्टोरों से दवाएं खरीदने के लिए भेजा जा रहा है। इससे सबसे अधिक परेशानी आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें मजबूरी में बाजार से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि इस व्यवस्था के कारण गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। कई मरीजों को इलाज के लिए कर्ज तक लेना पड़ रहा है, जबकि सरकारी अस्पतालों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई दवाएं अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं, तो मरीजों को निजी दवा दुकानों पर भेजना गंभीर अनियमितता का विषय है। वहीं यदि वास्तव में दवाओं का अभाव है, तो इसकी निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्पताल के दवा स्टॉक, वितरण रजिस्टर तथा दवा वितरण प्रक्रिया का सत्यापन कराया जाए और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जाएं। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

नागरिकों का कहना है कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली दवाएं पात्र मरीजों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचें और किसी भी मरीज को अनावश्यक रूप से निजी मेडिकल स्टोरों से दवाएं खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े।

इनका कहना है

वर्तमान समय में मौसम परिवर्तन के कारण वायरल फीवर, उल्टी-दस्त के मरीज अधिक संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं। ऐसे मरीजों के प्रारंभिक उपचार के लिए आवश्यक दवाएं अस्पताल से उपलब्ध कराई जाती हैं। आवश्यकता अनुसार कुछ दवाएं बाहर से लेने की भी सलाह दी जाती है।

-डॉ. इमरान खान, प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भुआ बिछिया

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

*** पहले दिन बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शाश्वत सिंह मीना ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने बताया कि 28 से 30 जून तक संचालित होने वाले इस अभियान के दौरान जिले के सभी 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। पहले दिन बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई, जबकि दूसरे एवं तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वाय.के. झारिया ने बताया कि अभियान के तहत जिले में 1,10,615 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1,289 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 995 बूथ टीमें, 67 ट्रांजिट बूथ, 36 मोबाइल टीमें तथा 191 सुपरवाइजर शामिल हैं। सभी टीमों को अभियान के सफल संचालन के लिए तैनात किया गया है।

शुभारंभ कार्यक्रम में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वाय.के. झारिया, शहरी नोडल अधिकारी डॉ. डी.के. मरकाम, प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार परते, जिला अस्पताल से डॉ. सूरज मरावी, शहरी क्षेत्र मंडला से श्रीमती सपना साहू सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं, ताकि पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

कलेक्टर के तत्काल संज्ञान पर कार्रवाई

अवैध कॉलोनी के नामांतरण में तथ्य छिपाने पर पटवारी निलंबित.....

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने नैनपुर अनुभाग के अवैध कॉलोनी नामांतरण प्रकरण को तत्काल संज्ञान में लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर श्री आशुतोष ठाकुर को जांच कर समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश पर हुई जांच में अवैध कॉलोनाइजिंग का तथ्य छिपाकर भ्रामक प्रतिवेदन देने का मामला सामने आने पर तत्कालीन पटवारी श्री अनिल तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जाँच में यह तथ्य उजागर हुआ कि ग्राम नैनपुर, पटवारी हल्का क्रमांक 17/33 स्थित भूमि के नामांतरण के समय श्री अनिल तिवारी द्वारा यह उल्लेख नहीं किया गया कि उक्त भूमि पर अवैध कॉलोनाइजिंग एवं अवैध प्लॉटिंग की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। जबकि तहसीलदार नैनपुर के जांच प्रतिवेदन एवं उपलब्ध अभिलेखों से स्पष्ट था कि उक्त भूमि पर अवैध कॉलोनाइजिंग का प्रकरण अपर कलेक्टर न्यायालय में विचाराधीन था। अवैध कॉलोनाइजिंग की जानकारी होने के बावजूद नामांतरण की कार्यवाही में सकारात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शासकीय कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही बरतने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के प्रावधानों के अंतर्गत उक्त कार्रवाई की गई।

स्वयं के व्यय से बैगा जनजाति छात्रावास की बालिकाओं को बांटी जरूरी सामग्री

*** शिक्षक अखिलेश उपाध्याय ने निभाया सामाजिक दायित्व।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला अंग्रेजी के शिक्षक अखिलेश उपाध्याय जो जिले अच्छे करियर मार्गदर्शक और मोटिवेटर के रूप में जाने जाते है। शिक्षक के सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए जनसहयोग से संचालित विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति छात्रावास की बालिकाओं की स्वयं के व्यय पर अध्ययन सामग्री, दैनिक उपयोगी सामग्री वितरित की। छात्रावास की 55 बालिकाओं को पेन, कॉपियां, पेंसिल किट ,कॉफी मग , बरसात के लिए छाते, घड़ियाँ, आदि का वितरण किया। अखिलेश उपाध्याय द्वारा एकल प्रकल्प प्रयास के माध्यम से शैक्षिक संवर्धन के निरंतर प्रयास किए जा रहे है। विगत वर्षों में अनेक बार उनके द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गयी है। अखिलेश उपाध्याय से चर्चा में उन्होंने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति की अध्ययनरत छात्राएं विपरीत परिस्थितियों से निकलकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्हें न केवल सामाजिक सहयोग की आवश्यकता है अपितु उन्हें अच्छे मेंटर की भी जरूरत है ।बालिकाओं के प्रश्नों का समाधान करते हुए आयोजन में करियर मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बालिकाओं का मोटिवेशन भी किया गया। शिक्षक ने कहा कि जनजातीय समुदाय को अपनी जड़ों से जुड़कर रहना चाहिए क्योंकि यही उनकी पहचान है और जो व्यक्ति अपनी संस्कृति और संस्कारों छोड़ देता है वास्तव में वह अपनी पहचान खो देता है।वर्तमान परिवेश में बैगा जनजातीय बालिकाओं को अपनी संस्कृति पर गर्व करते हुए समाज की मुख्य धारा से जुड़ना है, जो निरंतर परिश्रम से प्राप्त होगा क्योंकि सफलता प्राप्त करने की कोई शार्टकट नहीं होता। बालिकाओं से चर्चा उपरांत बेटियों को इस शैक्षणिक सत्र के लिए निःशुल्क अध्यापन और बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराने संकल्प लिया। इस अवसर पर शैक्षणिक अध्ययन सामग्री प्राप्त कर बालिकाएं प्रफ्फुलित हुई। छात्रावास प्रबंधन ने शिक्षक अखिलेश उपाध्याय के प्रयास को समाज के लिए प्रेरणादाई बताया। इस अवसर पर बैगा जनजाति छात्रावास की वार्डन, प्रबंधन सहायक पटेल उपस्थित रहें।

विडम्बना | **सीसी सड़क के ऊपर इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक बिछा रही पंचायत।**

पंचायत का विकास समझ से परे

*** नाली सुविधा का अभाव बना चर्चा का विषय।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

ग्राम पंचायत पंडरिया के बस स्टैंड समीप वार्ड में विकास कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा पहले से बनी सीसी सड़क के ऊपर ही इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं, जबकि क्षेत्र में जल निकासी के लिए नालियों की समुचित व्यवस्था आज भी नहीं की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में नाली नहीं होने के कारण पानी सड़कों पर जमा हो जाता है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है और सड़कें भी जल्द खराब होने लगती हैं। इसके बावजूद पंचायत द्वारा जल निकासी की समस्या का समाधान करने के बजाय सीसी सड़क के ऊपर पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पंचायत अपनी मूलभूत कमियों और नाली निर्माण में हुई लापरवाही को छिपाने के लिए इस प्रकार के कार्य कर रही है। उनका कहना है कि यदि पहले नालियों का निर्माण कराया जाता तो बरसात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिल सकती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं आवश्यकता का मूल्यांकन कराने की मांग की है। साथ ही क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर नाली निर्माण एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों में जनहित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि सरकारी राशि का सदुपयोग हो और लोगों को वास्तविक सुविधाएं मिल सकें।

खबर संक्षेप

बिजली लाईनों के ऊपर झूलती पेड़ की डालियों के चलते हो रही विद्युत व्यवस्था फैल, मेनटेन्स की नाम पर निभाई जाती है औपचारिकता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा नगर के विद्युत लाईनों की रख रखाव व सुधार के नाम पर दिन दिन भर बिजली कटौती की जाती है। मगर इसके बाद भी जब लाईनों में फाल्ट होने के कारण बिजली बंद रहती है तो विभाग द्वारा किये जाने वाला सुधार कार्य अपने आप ही चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाता है..? क्योंकि नगर में अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि जहां खम्बों में बिजली लाईने मकड़ी की जात की तरह नजर आने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर अनेक स्थानों पर बिजली लाईनों पर जिस तरह पेड़ की डालिया झूला झूलते हुये दिखाई देने से यह सबाल पैदा होने से नही चूक पाता है कि आखिरकार बिजली विभाग द्वारा रख रखाव के नाम पर क्या कार्य किया जाता है जिसके चलते स्थिति जैसी की तैसी नजर आने से नही चूक पाती है..? इस समय पड़ ही गर्मी के बाद शायद ऐसा कोई दिन शेष रहता हो जब एक दर्जन से कम बार बिजली की कटौती न की जाती हो..? इस तरह अचानक बिजली बंद होने पर जब बिजली विभाग से संपर्क किया जाता है तो एक ही जबाव सुनाई देता है कि फला जगह पेड़ की डाली लाईन पर गिर जाने के कारण लाईन में फाल्ट आया गया है..। या फिर किसी खम्बे की लीड़ में आग लगने के कारण लाईन बंद हुई जिसका सुधार कार्य किया जा रहा है..? इस तरह प्रतिदिन अनेकों बार होने वाली अघोषित कटौती से जहां नगर के लोग परेशान होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर नगर की जल सप्लाई व्यवस्था भी प्रभावित होने से नही बच पा रही है।

आकर्षक मैसेज से छले जा रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय संचार सेवाओं में नाम पर सबसे बड़ी माने जाने वाली दूसर संचार सेवा की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि उसके मोबाईल धारक आये दिन नेटवर्क की समस्याओं को लेकर परेशान होते हुए देखे जाते है इस स्थिति में मोबाइल तो सिरदर्द बन चुका है, क्योंकि इस प्रकार की बातें क्षेत्र में तमाम उपभोक्ताओं के मुंह से अक्सर सुनने को मिलती रहती है, क्योंकि सरकारी मोबाईल कंपनी के साथ अन्य किसी भी कंपनी का मोबाइल कंपनी की संचार सेवा को खरीदना, उपभोक्ताओं को परेशानी का कारण बनता जा रहा है। आज मोबाइल सेवा देने वाली कई प्रकार की कंपनियां अपना नेटवर्क खोल उपभोक्ताओं को सुविधा के नाम पर लूटने मे लगी हुई है? मोबाइल कंपानियां तरह तरह के मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं से छलावा करती है और बाद मे चार्ज के तौर पर पैसा वसूल लेते है। क्या है उपभोक्ताओं की परेशानियां- क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों मे शिक्षा का स्तर कम होने के कारण बड़ी आबादी को मोबाइल के बारे मे ज्यादा ज्ञान नही होता है और इसी का फायदा अधिकांश मोबाइल सेवा शुरू करने वाली कंपनियां उठाने मे लगी है। इस सबंध मे ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल मैसेज के माध्यम से रिंगटोन, डॉयलटोन या फिर क्रिकेट व अन्य खेल संबंधी जानकारी के लिए विभिन्न नंबरो को लगाने की बात कहकर पैसे काट लेती है? इस तरह भेजे जाने वाले मैसेजो मे पहले तो फ्री बताकर डॉयल करने को कहते है, फिर इसकी शिकायत किए जाने पर यह कहकर बात खत्म कर दी जाती है कि अपने गलत ऑप्शन इस्तेमाल किया होगा। इतना ही नही, नेटवर्क की समस्या से उपभोक्ताओं को आये दिन जूझना पड़ रहा है। कई बार इमरजेंसी कॉल करने पर भी बात नही हो पाती है, साथ ही बगैर बात किए ही बैलेंस माइनस मे बताया जाता है? नेटवर्क की समस्या खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग को उठानी पड़ती है। सभी ऑपरेटरों के यही हॉल-लोगो ने बताया कि भारत की सबसे बड़ी कंपनी कहे जाने वाले सरकारी कपंनी का तो यह हाल है कि इसके द्वारा इनकमिंग काल का पैसा भी काट लिया जाता है, बार बार इन्ही कारणो से परेशान होकर उपभोक्ताओं द्वारा इससे दूर होते जा रहे है,कंपनी द्वारा कस्टमर केयर की सुविधा केवल नाममात्र के लिए ही है, और यदि मोबाईल धारक कंपनी द्वारा दिये गये नम्बर पर शिकायत भी करता है तो उसमें कोई निवारण नही होने के कारण मोबाईल धारक लगातार परेशान हो रहे है।

मानसून की बेरूखी ने क्षेत्र के किसानों की बढ़ाई चिंता, बैशाख जैसी तपन से खेतों में लग रही है ततूरी, चंद दिनों के अंदर बारिश नहीं हुई तो किसानों की धान सहित सोयाबीन फसल की बोनी पर लग जायेगा ग्रहण..

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर किसानों द्वारा गर्मी सीजन में लगाई गई मूंग के उचित दाम नही मिलने के चलते माटी पुत्र द्वारा लगाई लागत खड़ी नही होने के चलते कर्ज में दबने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर प्रकृति का खेल इस तरह देखने मिल रहा है कि आने वाले सीजन की फसलों पर भी संकट दिखाई देने से नही चूक रहा है। इस हाल में किसान चारो ओर परेशानियों से जूझते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। क्योंकि समाप्ति की ओर पहुंच रहे जून माह में जिस तरह धूप की तपन दिखाई दे रही है वह निश्चित तौर से बैशाख माह जैसे हालत बनने से नही चूक रहे है। अपने खेतों में सोयाबीन धान लगाने की तैयारी में जुटे हुये किसानों की उम्मीदों पर मौसम की बेरूखी फिर ग्रहण लगाने के लिये आतुर होते हुये जान पड़ रही है। यह बात अलग है कि इस वर्ष हिन्दी महिनों के अनुसार अधिमास होने के चलते ज्येष्ठ माह का अंतिम चल रहा है। मगर खेती धंधे के हिसाब से यह आषाढ़ माह ही माना जावेगा। क्योंकि धान व सोयाबीन फसल की बोनी करने के लिये जून माह का अंतिम पखबाडा ही प्रमुख माना जाता है। 15 जून से मानसून आ जाता है और बारिश का दौर शुरू होने के कारण किसान अपने खेतों में बोनी करना शुरू कर देते थें। मगर इस वर्ष अभी तक मानसून की बेरूखी के चलते जहां किसानों के चेहरों पर चिंता दिखाई देने से नही चूक पा रही है। हाल यह बना हुआ है कि किसानों द्वारा धान रोपने के लिये अपने खेतों में लगाये गये धान के थरों की सुरक्षा नलकूपों से पानी भरकर सुरक्षित किये गये है। इस तरह बारिश का दौर शुरू नही होने की स्थिति में किसानों की धान फसल की बोनी लेट होती चली जा रही है। क्योंकि जिस प्रकार कृषि के लिये प्रमुख माने जाने वाले गाडरवारा तहसील क्षेत्र के किसानों ने समय पर बारिश की उम्मीद जताते हुये अपने खेतों में सोयाबीन की बोनी तथा धान फसल लगाने की जो तैयारियाँ की गई थी।

मगर मानसून की बेरूखी के चलते अब पानी फिरते हुये दिखाई देने लगा है। क्योकि मौसम विभाग द्वारा पहले सूचना दी जा रही थी कि प्रदेश में मानसून कुछ दिनों में अपनी दशतक देने वाला है। इसी के चलते किसानों खुशी के साथ अपने खेतों में बोनी करने की तैयारियों में जुटा हुआ देखा जा रहा था उन्हें सपने में भी इस बात का अंदेशा नही रहा होगा कि मानसून इस तरह से धोखा देगा खेतों में बोनी के लिये प्रमुख माने जाने वाले जून माह के अंतिम दिनों वैशाख यानि की अप्रैल माह की तरह तपन से किसानों की उम्मीदों का पसीना निकाल दिया है। हाल यह बना हुआ है कि किसानों के खेतों में प्रवेश करते हुये उन्हे ततूरी लगने से नही चूक पा रही है। इस तरह प्रकृति की मार झेल रहे किसानों के साथ फिर मौसम खिलबाड़ करते हुये दिखाई देने लगा है। प्रकृति के खेल पर गौर किया जावे तो कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये क्षेत्र का किसान खेती के भरोसे अपना जीवन यापन करने की सोच रखता है। मगर उसे प्रकृति की मार लगातार तोड़ते हुये चली जा रही है। कुछ इसी तरह की सच्चाई इस समय फिर दिखाई देने लगी है तथा सोयावीन व धान फसल लगाने की तैयारियों में जुटे हुये किसानों की आंखे आसमान की ओर ताकते हुये देखी जा रही है। लगातार परेशानियों से जूझ रहे क्षेत्र के किसानों को उम्मीद जागी थी कि शायद इस वर्ष प्रकृति उनका साथ दे देगी जिसके चलते क्षेत्र के किसानों ने अपने खेतों में सोयाबीन सहित धान फसल लगाने की बडे स्तर से तैयारियाँ की गई थी। मगर बारिश के आभाव में उस पर ग्रहण लगाते हुये दिखाई देने लगा है। इस तरह मानसून की बेरूखी के चलते प्रतिदिन क्षेत्र के किसान आसमान की ओर ताकते हुये दिखाई पड़ रहे है। क्योंकि विदाई ले रहे जून मास बारिश के लिये प्रमुख माना जाता है। मगर बारिश के लिये प्रमुख माने जाने वाले इस माह में सूरज की तपन से खेतों में लग रही ततूरी ने अन्नदाओं की आंखो में आंसू लगाने में कोई कसर नही छोड़ी है। क्योंकि धान लगाने के लिये सबसे अच्छा महिना जून का अंतिम व जुलाई का प्रथम सप्ताह ही माना जाता है। मगर बारिश नही होने के कारण जहां किसान चिंता में दिखाई दे रहे है तो दूसरी ओर जिन किसानों के पास नलकूप की व्यवस्था है वह अपने खेतों में पानी भरते हुये धान रोपित करने के लिये मचाने की शुरूआत कर दी गई है। यदि कुछ दिनों के अंदर मानसून ने मेहरवानी नही की गई तो अन्नदाता बर्बाद होने से नही चूक पायेगा। इस तरह लगातार प्रकृति की मार झेलने के साथ फसलों के उचित दाम नही मिलने के चलते युवाओं का खेती के प्रति मोहभंग होने से नही चूक पा रहा है। बताया जाता है कि इस समय पड़ रही तेज तपन की स्थिति इस प्रकार से दिखाई पड़ रही है कि जिन किसानों के खेतों में धान रोपित हो चुकी है वह किसी भी प्रकार से उसे बचाने के लिये नलकूपों का सहारा लेकर खेतों का भरने का प्रयास तो कर रहे है। मगर किसानों का कहना है कि मानसूनी पानी व इस प्रकार से नलकूपों के माध्यम से खेतों में भरने वाले पानी में काफी अंतर होता है। क्योंकि इस पानी के माध्यम से धान फसल की सही पैदावार होना असंभव माना जाता है। वही किसानों का कहना है कि यदि चंद दिवस के अंदर अच्छी झमाझम बारिश नही हुई तो निश्चित तौर से किसानों द्वारा अपने खेतों में सोयाबीन की बोनी तथा धान फसल लगाने की जो तैयारियाँ की गई है वह बर्बाद होने से नही बच पायेगी..?

ग्राम खुलरी में चार केंद्रों पर पिलाई गई पोलियो दवा

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियों रोधी दवा पिलाने के लिये ग्रामों का निर्धारण किया गया था। इसी के चलते जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुलरी में चार स्थानों पर केंद्र बनाकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। सुपरवाइजर सहयोगिनी गीता साहू की देख रेख में बूथ नवीन विद्या भवन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरस्वती कतिया,आशा संध्या सेन तथा मिडिल स्कूल बूथ पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता पाल, सहायिका लीलावती मेहरा तो बस स्टेंड केंद्र पर आशा राजेश्वरी मेहरा, सहयोगी गोविंद मेहरा एवं शासकीय अस्पताल में बने केंद्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भागवती मेहरा के आलवा सहायिका रोशनी चौधरी ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। अभियान के प्रथम दिवस शाम 4 बजे तक ग्राम खुलरी में बनाए गए चार केंद्रों पर 180 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा चुकी थी। जिनमें बूथ क्रमांक 116बी नवीन विद्या भवन पर 52 बच्चों, बूथ क्रमांक 117 बी मिडिल स्कूल में 36 बच्चों तथा बूथ क्रमांक 118बी शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 57बच्चों, बूथ क्रमांक 119बी बस स्टेंड पर 35 बच्चों ने पोलियो खुराक दी गई। वही शासन के आदेश अनुसार अगले दो दिवस कर्मचारी शेष बच्चों को घर घर जाकर पोलियो की दवा पिलाएंगे। अभियान में ग्राम कोटवार विनोद मेहरा, यशवंत मेहरा, आशा किरण नेमा सहायिका प्रमिला राजपूत, शिक्षक अशोक पटेल, सना खान आदि का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा।

आमगांव नाका की यातायात व्यवस्था में नहीं हो रहा सुधार, आये दिन निर्मित हो रही जाम की स्थिति

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पुलिस द्वारा नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने की बात को लेकर चालकों को आये दिन यातायात संबंधी पाठ पढ़ाते हुए उन्हें नियम से चलाने की बात कहकर नगर के अंदर बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था में काफी हद तक सुधार लाया गया है, मगर अब सवाल यह पैदा हो रहा है कि नगर के अन्य मार्गो की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को पुलिस द्वारा नजर अंदाज करना कहा तक उचित समझा जावेगा? क्योंकि यातायात सुधार के नाम पर सिर्फ पुलिस की कार्यवाही बाजार तक ही सीमित रहना जहां चर्चा का विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर नगर के अन्य हिस्सो में बिगड़ी हुई यातायात के चलते आम लोगों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के आमगांव नाका राठी तिरहा क्षेत्र की स्थिति तो बाजार से भी दयनीय बनी हुई है। क्योंकि यहां पर वाहन चालक अपने वाहनों को मुख्य मार्ग पर ही खड़ा करते हुए दुकानों के अंदर चाय नास्ता करने के लिए चले जाते है जिसके चलते जाम की स्थिति पैदा होने से लोगों को काफी समय तक खड़े रहकर परेशान होते हुए देखा जा रहा है। जबकि यह नगर का प्रमुख मार्ग होने के साथ साथ इस मार्ग से ही इसी वही मंडी पहुंचने वाले किसानों के ट्रेक्टर ट्रालियों की आना जाना बना रहता है। मगर यहां पर संचालित होने वाली दुकानों के संचालकों पर पुलिस की मेहरवानी होने के कारण जहां दुकानदारों द्वारा अपने ग्राहकों के वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कराते हुए अपनी कमाई की जा रही है लोगों को परेशान होने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जबकि इस क्षेत्र में संचालित होने वाली प्रमुख दुकान की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वही स्वयं ही अतिक्रमण करते हुए शासकीय भूमि पर संचालित होते हुए देर रात तक खुला रहना नगर में आये दिन विवाद का कारण साबित होने से नही चूक पा रही है? क्योंकि बीते हुए कुछ वर्ष पूर्व जब प्रशासन द्वारा अतिक्रमण विरोधी मुहिम छेड़ी गई थी उस समय दुकान का कितना भाग अतिक्रमण में आ रहा है यह बात खुलकर सामने आ चुकी थी। मगर प्रशासन की मेहरवानी के चलते खाली कराया गया भाग फिर दुकानदार द्वारा अपने कब्जे में लेते हुए आसपास अनेक पान टपरों को स्थापित करते हुए उनसे किराया बसूलने में भी कोई कसर नही छोड़ी जा रही है?

प्रशासन की अनदेखी के चलते नगर के स्टेशन मार्ग पर लगातार फैल रहा है शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यदि किसी बीमारी को फैलने के पहले ही उसका इलाज कर दिया जावे तो उस बीमारी को जानलेवा होने से रोका जा सकता है, मगर बीमारी की अनदेखी किये जाने का परिणाम होता है कि वह बाद में इस प्रकार का रूप धारण कर लेती है कि फिर उसे भगापाना मुश्किल हो जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की शासकीय भूमि पर लगातार हो रही अतिक्रमण रूपी बीमारी को देखते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि समय समय पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जाती है जिसमें प्रशासन का काफी हद तक पैसा बर्बाद होता है और प्रशासनिक अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने पर राजनैतिक नेताओं के कोप का शिकार भी होना पड़ता है...? मगर वही अधिकारी शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण के शुरूआती तौर से जिस तरह से चुप्पी साध लेते है उसके चलते अतिक्रमणकारियों को सह मिलने से उनके हौसले बुलंद हो जाते है और शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ जाती है..? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के रेल्वे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग यानि की बीटीआई स्कूल के समीप पावर हाऊस के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि तथा चीचली तिरहा के पास देखने मिल रही है। जहां पर लगातार हो रहे अतिक्रमण को देखते हुये जान पड़ रहा है..? यहां पर लगातार हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह बात झूठ नही होगी कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे खुलेआम शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल बिछ रहा है और वह अपनी आंखे बंद किये हुये है..? क्योंकि जिस जगह इस समय शासकीय भूमि अतिक्रमण के भेंट चढ़ाते हुये देखी जा रही है वह नगर के तहसील कार्यालय से चंद कदम दूरी पर है तो उसके पास से राजस्व विभाग के अनेक जिम्मेदार अधिकारियों के निवास स्थल होने के साथ साथ ठीक उसके पीछे विद्युत कार्यालय स्थित होने के साथ साथ इसी मार्ग से अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं का आना जाना लगा रहता है। मगर इसके बाद भी खुलेआम हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई को अधिकारियों से लेकर नगर पालिका प्रशासन द्वारा भी जिस तरह से नजर अंदाज करते हुये देखा जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद शासकीय भूमि पर कब्जा जमाने के लिये अधिकारियों द्वारा इन अतिक्रमणकारियों के लिये अपनी मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो..? बताया जाता है कि बीते हुये कुछ दिनों से नगर के बीटीआई स्कूल से लेकर पावर हाऊस के सामने मुख्य मार्ग के किनारे खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा लगातार अपना कब्जा जमाते हुये टपरों की लम्बी लाईन लगा दी गई है और यह क्रम लगातार जारी होने के कारण यहां पर नये नये टपरे स्थापित होते चले जा रहे है। मगर इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से कोई ध्यान देना उचित नही समझा जा रहा है।

विकास की बाट जोहते हुए क्षेत्र के अनेक गांव बारिश के दौरान पहुंचना हो जाता है मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए देश से लेकर प्रदेश व शहरों से लेकर गांवों का विकास कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है और आये दिन नेताओं को भी क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने की बात कहते हुए सुना जाता है, मगर इसके बाद जब विकास की सच्चाई पर गौर किया जाता है तो संपूर्ण सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है, जब ग्रामीणों को कीचड़ के बीच से गुजरकर अपने घरों को जाने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों की देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि चीचली से चंद कदम दूरी पर स्थित इस प्रकार को पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क का आभाव होने के कारण जरा सी बारिश के चलते लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवों के मार्ग की इस समय जिस प्रकार की स्थिति देखी जा रही है कि उस पर वाहन चलना तो दूर की बात पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इस प्रकार से इन मार्गो पर मची हुई कीचड़ क्षेत्र के विकास की सच्चाई का आईना बताने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां सरकार द्वारा आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें किसी भी विषम परिस्थिति में मरीजो के लिए गांव से लाने के लिए शासन की 108 सेवा वही सुरक्षा के लिए पुलिस की 100 सेवा जो जरूरत पड़ने में 10 मिनिट के अंदर गांव पहुंचने की बात कही जाती है अब इस प्रकार से कीचड़ युक्त मार्गो के माध्यम से क्या ग्रामीणों को शासन द्वारा चलाई जा रही इन सेवाओं का लाभ मिल पायेगा? इतना ही नही अनेकोबार देखा जाता है कि जब इस प्रकार के गांवों में कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ जाता है तो उसे शहर तक लाना भी मुश्किल हो जाता है? क्या इसी को विकास कहते है? इस प्रकार की सच्चाई सिर्फ इसी गांव की नही बल्कि क्षेत्र के अन्य गांवों में भी आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर जरा सी बारिश होने के बाद लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

बालश्रम कानून का कागजों पर हो रहा है पालन अनेक जगहों पर धडल्ले से कर रहे मासूम काम

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है। जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948 खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है,वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मगर आजादी के 62 वर्ष बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई,जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पैट भरने के लिए कचरा बीनना,सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना,होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है, क्षेत्र में बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है। इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालय मे बच्चों के सही आंकड़ा तक मौजूद नही होगा? गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी जिले के हजारों बच्चों का स्कूल से नाता जुड़ नही पाया है। उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित है, ग्रामीण अंचलों मे भोर मे उठना कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना, भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है। शासन द्वारा करोडो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाब नही आ सका,इनका भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है,गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाहकर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है,क्या करे गरीबी अभिशाप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है।

पुरानी धरोहर को पंचायत द्वारा किया जा रहा नजरअंदाज, अधिकारियों से लेकर पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका पर खड़े हो रहे सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेडा। इस समय जल संवर्धन योजना के तहत लगातार मुहिम चलाते हुये पुराने जल स्रोतो का रख रखाव करने से लेकर जल रोकने के लिये अनेक प्रकार के कार्य करते हुये देखा जा रहा है। इस तरह चलाई जाने वाली मुहिम को लेकर निश्चित तौर से शासन के साथ साथ बनाये गये निजी स्तर के एनजीओं द्वारा शासन की लाखों राशि खर्च करने में पीछे नही रहेगे। मगर इस अभियान की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बोरी बंधन से लेकर जिस तरह तालाबों की खुदाई की औपचारिता निभाई जा रही है वह मात्र अखबारों की सुर्खियों से लेकर फोटो तक ही सीमित होते हुये जान पड़ने से नही चूक रही है..? आये दिन सोशन मीड़िया से लेकर अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली फोटोओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां बोरी बंधान का कार्य उन स्थानों पर होते हुये देखा जा रहा है जहां पर बड़े बंधान के माध्यम से पानी रूकने की उम्मीद नही की जा सकती है वहां पर मात्र चंद बोरियों के भरोसे पानी रोकने की औपचारिकता निभाने में पीछे दिखाई नही दे रहे है तो जल रोकने के लिये श्रमदान करते हुये इस तरह के लोग फोटोओं में नजर आ रहे है तो पूर्णरूप से सूटबूट व काला चस्मा लगाने के साथ अपने कपड़ो में सफेद मारते हुये श्रमदान के नाम पर अपने हाथ में तसला लेकर फोटो निकलवाने में पीछे दिखाई नही तो रहे है..। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या इस स्थिति में जल रोकने में सफलता मिल पायेगी..? इतना ही नही शासन प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से पुराने जल स्रोतों को नजर अंदाज किया जा रहा है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि अनेक गांवों में इस तरह वर्षो पुराने कुंआ बदहाल स्थिति में पड़े हुये देखे जा रहे है यिद उनमें जरा से भी सुधार कार्य हो जावे तो उनकी सूरत बदलने में देर नही लगेगी। मगर इस ओर ध्यान देने के जगह गांवों के नालों के पास जरा से पानी भरते हुये उसमें चार बोरियों रखकर बोरी बंधान करने का खेल चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? कुओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अक्सर देखा जाता था कि गांवों में स्थिति कुंआ व तालवों को लोगों द्वारा निमान मानते हुए सिर्फ उनका उपयोग ही नही बल्कि भगवान का स्वरूप देते हुए पूजन भी की जाती थी? और आज जिन गांवों में यह धरोहर स्थापित है उसे लोग उपयोग करते हुए आज भी उसे बडे ही श्रद्धा व भाव से पूज रहे है? मगर वही दूसरी ओर कुछ गांवों में इस प्रकार का हाल देखा जा रहा है कि पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा इन पुरानी धरोहरों को नजर अदांज कर दिया गया है जिसके चलते वह बदहाली की स्थिति में पहुंच गई है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी मिढवानी में देख्नने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि वर्षो पुरानी शासकीय कुआ का लोगों द्वारा कुछ हद तक आज भी उपयोग किया जाता है, मगर पंचयात की उदासीनत के चलते यह कुआ लगातार बदहाली का शिकार होता जा रह है? इस कुआ के सुधार हेतु पंचायत द्वारा आज तक कोई पहल नही की गई जिसका परिणाम है कि जहां कुंआ में भरा हुआ पानी खराब हो चुका है, वही जहां तहां कचरे के अम्बार लगे होने से लोग परेशान हो रहे है।

खबर संक्षेप

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ माहेश्वरी समाज ने मनाया महेश नवमीं का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

माहेश्वरी समाज ने अपने वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया। संभाग स्तरीय कार्यक्रम 28 जून को होटल लेवल वन आहूजा मार्केट शहडोल में मनाया गया। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ पुरुषों, महिलाओ एवं बच्चों ने सर्वप्रथम भगवान शिवजी की पूजा, अर्चना दीप प्रज्वलन कर की। तत्पश्चात सभी ने शिवजी की आरती कर्पूरगौरं करूणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम। सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानि सहितं नमामि एवं ओम जय जगदीश हरे की। तत्पश्चात महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी सुनता है सबकी विनती मेरा भोलेनाथ की शानदार प्रस्तुति दी। माहेश्वरी महिला मंडल से वनिता लखोटिया, एमएल मंत्री, कमल कुमार मूंदड़ा, आलोक खटोड़, अरविंद बियानी ने समाज को लेकर अपनी बात रखी एवं कहा कि माहेश्वरी समाज का स्लोगन सेवा, त्याग, सदाचार की भावना लेकर सभी आगे बढ़े। साथ ही सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत बनाने का संदेश भी दिया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने महेश नवमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मध्य में ही जायकेदार नाश्ता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पश्चात छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों का फैंसी ड्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिमांश मूंदड़ा, प्रिंसा भंडारी, जानवी मूंदड़ा ने राजस्थानी परिधान में कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में आदेश खटोड़, डॉक्टर मंजूला मूंदड़ा, दीपा पचीसिया, सुनीता मूंदड़ा, रितु मूंदड़ा ने भी अपनी बातों से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने माहेश्वरी हैं हम पर जोरदार डांस किया जिसकी सभी ने सराहना की।दीपा पचीसिया एवं सुरभि लखोटिया ने भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने अपने प्रतिभाओं का सम्मान भी किया। जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों का सम्मान किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से हिमांश मूंदड़ा, कनिका खटोड़, सेतु बियानी एवं अंश मूंदड़ा प्रमुख रहे। इसके साथ ही मानसी मूंदड़ा को गोल्ड मेडल मिलने पर उसका भी सम्मान किया गया। युवा माहेश्वरी संगठन ने गेम खिलाया जिसका सभी ने लुत्फ उठाया। इस अवसर पर कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के शहडोल, बुढार, अमलाई, चचाई, धनपुरी, अनूपपुर, जैतहरी के महेश्वरी समाज के वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ तक पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे काफी संख्या में उपस्थित थे।

केवई नदी में डूबने से 13 वर्षीय बालक की मौत, दोस्तों के गया था साथ पिकनिक मनाने

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

भालूमाड़ा क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। केवई नदी के पंप हाउस के पास नहाने के दौरान 13 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवम गुप्ता (13 वर्ष) पिता सोभनाथ गुप्ता, निवासी दफाई भालूमाड़ा, अपने 5-6 दोस्तों के साथ केवई नदी के पंप हाउस के पास पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान शिवम नदी में नहाने के लिए उतरा, लेकिन गहरे पानी में चले जाने से वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर भालूमाड़ा थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद शिवम के शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

एचपीवी टीकाकरण में डिंडौरी ने रचा कीर्तिमान,

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय समारोह में किया सम्मानित

डिंडौरी।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में डिंडौरी जिले ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि अपने नाम की है गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की रोकथाम के लिए संचालित एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिले को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के नेतृत्व एवं सतत मॉनिटरिंग में जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इसी उत्कृष्ट कार्य के लिए रविवार को भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डिंडौरी जिले की टीम को सम्मानित किया। जिले की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर.के. डोंगरे तथा विकासखंड डिंडौरी के शहरी वार्ड क्रमांक-5 की एएनएम सुश्री नीम कल्ली ने सम्मान ग्रहण किया।यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की सुव्यवस्थित कार्ययोजना, मैदानी अमले की सक्रियता तथा प्रशासन के प्रभावी नेतृत्व का परिणाम मानी जा रही है। अभियान के दौरान किशोरियों तक एचपीवी वैक्सीन की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित कर जिले ने प्रदेश के सामने एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है।गौरतलब है कि एचपीवी टीकाकरण गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। डिंडौरी का यह सम्मान महिला स्वास्थ्य संरक्षण, जनजागरूकता और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जिले की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उपलब्धि न केवल स्वास्थ्य विभाग के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे जिले के लिए सम्मान और प्रेरणा का अवसर भी है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई, छह प्रकरण दर्ज

डिंडोरी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने 25 एवं 26 जून को डिंडोरी, समनापुर और शहपुरा वृत्तों में विशेष अभियान चलाया। प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर छह प्रकरण दर्ज किए गए।कार्रवाई के दौरान वार्ड क्रमांक-4 डिंडोरी निवासी राम प्रसाद से 22 पाव देशी प्लेन शराब, कुकर्रामठ निवासी लीला बाई से 6 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, पूनम सिंह से 7 लीटर कच्ची शराब, बांकी निवासी दवासा बाई से 7 लीटर कच्ची शराब, संजय नगर करौदी निवासी आरती बाई से 6 लीटर कच्ची शराब तथा लालपुर निवासी रमई से 20 पाव देशी प्लेन शराब बरामद की गई।आबकारी विभाग ने कुल 26 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं 42 पाव देशी प्लेन शराब जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 8,140 रुपये बताई गई है। सभी आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है।

जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आगाज

डिंडौरी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ रविवार को जिला चिकित्सालय डिंडौरी में जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। अभियान की शुरुआत नवजात एवं 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर की गई।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. रमेश मरावी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से पल्स पोलियो की खुराक दिलाने की अपील करते हुए कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभियान के दूसरे और तीसरे चरण में 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथों तक नहीं पहुंच सके। अभियान के सफल संचालन के लिए जिलेभर में स्वास्थ्य अमला सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।विकासखंड स्तर पर भी विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अभियान का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बूथों एवं घर-घर भ्रमण के माध्यम से प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार शाम 5 बजे तक जिले में 56 हजार 504 बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई जा चुकी थी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं तथा घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीमों का सहयोग कर जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

ग्राम अलोनी में जल गंगा संवर्धन का समापन बावड़ी उत्सव के साथ हुआ संपन्न

अमरपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अमरपुर के तत्वाधान एवं जिला तथा विकासखंड प्रशासन के निर्देशन तथा जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान और विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे के मार्गदर्शन में 19 मार्च से जल गंगा संवर्धन प्रारंभ होकर 28 जून को ग्राम अलोनी तालाब में बावड़ी उत्सव के साथ समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच गजेंद्र सिंह ठाकुर एवं क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता गुलाब सिंह ठाकुर, साहब लाल, पुषाम की उपस्थिति में सर्वप्रथम तालाब में श्रमदान के माध्यम से तालाब की साफ सफाई की गई तथा कलश यात्रा के साथ 31 दीप प्रज्वलित कर घाट के पूजन अर्चन कर घाट को रंग रोगन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ के पश्चात जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम विकासखंड समन्वयक अमर लाल धुर्वे द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए बावड़ी उत्सव कार्यक्रम एवं जल गंगा संवर्धन अभियान की रूपरेखा बताई गई। इसके उपरांत उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जल के महत्व पर प्रकाश डाला गया। जिसमें जल के संरक्षण की जानकारी देते हुए बताया गया कि हम वर्तमान में भौतिक संसाधनों के ऊपर निर्भर न होकर गांव में जितने भी जल स्रोत कुआ, तालाब, नदी, झरने इत्यादि जल स्रोतों की साफ सफाई एवं संरक्षण जन सहभागिता और सामूहिकता से करते रहना अनिवार्य हैं अन्यथा आने वाले समय में जल की कमी से जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता हैं। इसलिए सभी का कर्तव्य हैं कि गांव में जितने भी जल स्रोत हैं उनकी समय-समय पर साफ सफाई एवं देखरेख करना अनिवार्य हैं तथा पर्यावरण के संतुलन के लिए सभी को पेड़ लगाने का आग्रह किया गया। जिससे क्षेत्र में जल कमी ना हो उक्त उदगार के पश्चात विकासखंड खंड समन्वयक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया और अंत में उपस्थित लोगों को अल्पाहार वितरण कर कार्यक्रम समाप्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में नवांकुर संस्था से गणेश कैवर्थ, अरविंद यादव, राकेश मरावी परामर्शदाता राधेश्याम बनवासी, मनोज कुमार तंतुवाय, लाल सिंह ठाकुर, तिलक सिंह सैयाम प्रस्फुटन समिति अलोनी से संतोषी रघुवंशी कमला, मालती एवं सभी समिति के कार्यकर्ता तथा ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम यादव, रत्तू सिंह, कमला कृषि मित्र, रितु आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मालती आशा कार्यकर्ता, जितेंद्र यादव, भरत दास सी एम इंटर्न ब्रजेश राठौर पंचायत सहायक सचिव हरपाल सिंह एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शंकर घाट पर चला स्वच्छता अभियान

डिंडौरी। मैया अभियान के सदस्यों ने रविवार को नर्मदा पुल के नीचे स्थित शंकर घाट पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर नाले से घाट में आ रही गंदगी की साफ-सफाई की। अभियान के माध्यम से नगरवासियों को स्वच्छता बनाए रखने तथा माँ नर्मदा को प्रदूषणमुक्त रखने का संदेश दिया गया।इस अवसर पर मैया अभियान से जुड़े संतोष परस्ते, शहिद खान एवं ओमवीर जी ने छात्राओं को अभियान की सदस्यता ग्रहण करने के प्रतीक स्वरूप टी-शर्ट भेंट की। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

स्वच्छता अभियान में देवेंद्र दीक्षित, आर.पी. कुशवाहा, संतोष परस्ते, ओमवीर जी, मनोज चौकसे, संतोष परमार, राकेश नामदेव, कमलेश वाल्मीकि, माही बारातियों, रेशमा मरावी, प्रिंसु तेकाम, सितारा धुर्वे, राधा यादव एवं रश्मि बतिया सहित अनेक स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाया।मैया अभियान के सदस्यों ने नागरिकों से अपील की कि वे नर्मदा घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में अपना सहयोग दें और स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषणमुक्त शहर के निर्माण में सहभागी बनें।

30 जून तक घर-घर पहुंचकर बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो ने पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

शहपुरा।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शहपुरा में कार्यक्रम आयोजित कर अभियान का शुभारंभ किया गया। जनपद पंचायत शहपुरा की अध्यक्ष प्रियंका आर्मो ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की।इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक अभिभावक का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित न रहे।

कार्यक्रम में बीएमओ डॉ. रत्नेश द्विवेदी, डॉ. राजीव साहू, राजेंद्र तिवारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य को सफल बनाने का संकल्प लिया।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष अभियान 30 जून तक संचालित किया जाएगा। पहले दिन निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई, जबकि आगामी दिनों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को भी दवा पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथों तक नहीं पहुंच सके।

अधिकारियों ने बताया कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, जिससे स्थायी दिव्यांगता हो सकती है। इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय-समय पर पल्स पोलियो अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना है, चाहे उनका नियमित टीकाकरण पूरा हो चुका हो।स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं तथा आसपास के परिवारों को भी इस अभियान के प्रति जागरूक करें, ताकि शहपुरा सहित पूरा जिला पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त बना सके।

प्रिंट रेट से महंगी शराब

अनूपपुर की कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-2 पर ओवर रेटिंग धड़ल्ले से जारी

वाह आबकारी विभाग वाह....

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर नगर की कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-02 एक बार फिर विवादों में है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया है कि दुकान में शराब की बोतलें प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेची जा रही हैं। वहीं दुकान पर मूल्य सूची प्रदर्शित न होने, शिकायतों पर कार्यवाही नहीं होने तथा बिना नंबर की स्कूटी के उपयोग जैसे मामलों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और सख्त कार्यवाही की मांग की है। जिला मुख्यालय की कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-02 में कथित अनियमितताओं को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। आरोप है कि शराब की बोतलों पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक राशि वसूली जा रही है। इतना ही नहीं, आबकारी विभाग के निर्देशों के बावजूद दुकान परिसर में मूल्य सूची तक प्रदर्शित नहीं की गई है, जिससे ग्राहकों को वास्तविक कीमत की जानकारी नहीं मिल पाती है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अधिक कीमत वसूले जाने पर विरोध करने के बावजूद उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। वहीं दुकान के कार्यों में दिनभर बिना नंबर की लाल रंग की स्कूटी का उपयोग भी कई सवाल खड़े कर रहा है। यदि ये आरोप सही हैं तो यह न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि आबकारी नियमों और मोटर वाहन कानून की भी अनदेखी है। अब लोगों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है।

प्रिंट रेट से अधिक वसूली का आरोप

स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि दुकान में कई ब्रांड की शराब निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेची जा रही है। ग्राहकों का कहना है कि अतिरिक्त राशि मांगने पर कोई रसीद या स्पष्ट कारण नहीं बताया जाता। इससे उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली जा रही है तो यह नियमों का खुला उल्लंघन है और इसकी जांच आवश्यक है।

मूल्य सूची गायब, पारदर्शिता पर सवाल

आबकारी विभाग के नियमों के अनुसार प्रत्येक शराब दुकान में मूल्य सूची प्रमुख स्थान पर लगाना अनिवार्य है। आरोप है कि कंपोजिट शराब दुकान क्रमांक-02 में ऐसी कोई सूची प्रदर्शित नहीं की गई है। मूल्य सूची के अभाव में ग्राहकों को सही कीमत की जानकारी नहीं मिलती और वे अधिक राशि देने को मजबूर हो जाते हैं। इससे दुकान की कार्यप्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतों पर कार्यवाही नहीं होने का आरोप

उपभोक्ताओं का कहना है कि कई बार अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायत दुकान संचालकों से की गई, लेकिन किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है, फिर भी संबंधित विभाग की ओर से कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई। इससे उपभोक्ताओं का भरोसा कमजोर हो रहा है और विभागीय निगरानी पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

बिना नंबर की स्कूटी से बढ़े सवाल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकान के कार्यों में लाल रंग की बिना पंजीयन नंबर वाली स्कूटी का नियमित उपयोग किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर बिना नंबर के वाहन का उपयोग मोटर वाहन नियमों के विपरीत माना जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह वाहन किसका है और किस अनुमति से इसका उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी भी जांच कराने की मांग की है।

निष्पक्ष जांच और सख्त कार्यवाही की मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि ओवररेटिंग, मूल्य सूची नहीं लगाने और बिना नंबर के वाहन के उपयोग जैसे आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदारों पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। साथ ही दुकान में तत्काल मूल्य सूची प्रदर्शित कर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का आर्थिक शोषण न हो सके।

ग्राम बेनीबहरा में आदिवासी महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

श्री सत्य साईं आदिवासी महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम बेनीबहरा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई तथा आवश्यक परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान गंभीर बीमारियों से पीड़ित महिलाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर उपचार के लिए श्री सत्य साईं सेवा संस्थान द्वारा अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस स्वास्थ्य शिविर में अपना विशेष रूप से डॉ योगेश धनवार, डॉ गणेश प्रजापति, डॉ शीतल प्रजापति, राममिलन जायसवाल, श्याम ताम्रकार, बृजेश प्रजापति, आरके द्विवेदी, नर्मदा सिंह, प्रदीप पांडे, का योगदान रहा। इस कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका, पार्षद अन्नू देवी, लक्ष्मी शुक्ला, कलावती सिंह, नमिता कोल के उपस्थित में और शिविर को सफल बनाने में साईं सेवा समिति के जिला अध्यक्ष जी.एस तिवारी, रविन्द्र शुक्ला, विनय शुक्ला, अभिलाषा शुक्ला, संजय सिंह परमार, लखनलाल पनिका, विनोद कुमार कुशवाहा, तारा देवी साहू, रूपा पाव, भगवान दास द्विवेदी, देवेंद्र द्विवेदी, संतोष साहू, बिसाहू साहू, रूपा रावत, ओमप्रकाश सिंह परिहार, तुलसी पनिका, छांगू प्रसाद साहू, तारादास साहू सहित कई सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ग्रामीण महिलाओं ने इस स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 29 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

सड़क पर बिखर गए शरीर के टुकड़े

ट्रक की टक्कर से जीजा साली की मौत, एक घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले में प्रति सड़क दुर्घटनाओं के बीच रविवार को दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी अनुसार नरसिंहपुर के मंडी रोड पर मूनलाइट गार्डन के पास रविवार को बाइक सवार 3 लोगों को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में जीजा-साली की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। बाइक सवार करीब 20 मीटर तक घसीटते रहे। बच्ची के शरीर के टुकड़े सड़क पर चिपक गए। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान मानसी धानक (9) और नर्मदापुरम निवासी सोमनाथ धानक (22) के रूप में की गई है। वहीं रायसेन निवासी हल्के धानक गंभीर रूप से घायल है। मुंह, सिर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं। हादसा इतना भीषण था कि पुलिस को साली मानसी के शव के टुकड़ों को पॉलिथीन में समेटना पड़ा। पुलिस ने बताया- नर्मदा प्रसाद धानक के छोटे दामाद हल्के धानक, जो रायसेन जिले के रहने वाले हैं। उनके घर कुछ दिन पहले बच्चे का जन्म हुआ था। परिवार में खुशी का माहौल था। इसी खुशी को रिश्तेदारों के साथ साझा करने के लिए नर्मदा प्रसाद की बेटी मानसी और बड़े दामाद सोमनाथ धानक खमरिया गांव पहुंचे थे। रविवार को तीनों रिश्तेदारों के घर लड्डू बांटने निकले थे। कई जगह मिठाई बांटने के बाद दोपहर करीब 12रू24 बजे वे बाइक से वापस लौट रहे थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे तीनों की बाइक नरसिंहपुर जिला मुख्यालय की मंडी रोड स्थित मूनलाइट गार्डन के आगे पहुंची। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक (एमपी-09 एचजी-8327) ने बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कई फीट दूर जा गिरी। तीनों सवार सड़क पर उछल पड़े। इससे पहले कि वे संभल पाते, ट्रक का पहिया मानसी और सोमनाथ के ऊपर से गुजर गया।

सड़क पर बिखर गए शरीर के टुकड़े

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद मासूम मानसी ट्रक के नीचे फंस गई। करीब 20 से 25 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई। पहियों के लगातार दबाव से उसका शरीर के कुछ हिस्से सड़क पर चिपक गए। सड़क पर मांस के लोथड़े बिखरे पड़े थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्टेशनगंज थाना पुलिस करीब दस मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक मानसी की मौत हो चुकी थी। सड़क पर शव के टुकड़े अलग-अलग जगह बिखरे हुए थे। पुलिसकर्मियों ने शव के लोथड़ों को एकत्र किया। वहीं हादसे के तुरंत बाद गंभीर रूप से घायल सोमनाथ धानक और हल्के धानक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स ने प्राथमिक उपचार के बाद सोमनाथ की हालत अत्यंत गंभीर देखते हुए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन उन्हें एंबुलेंस से जबलपुर ले जा रहे थे, लेकिन गोटेगांव के पास उनकी हालत और बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसके बाद उनके शव को गोटेगांव के सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखा गया।

घायल का इलाज जारी

हादसे में घायल हल्के धानक का इलाज नरसिंहपुर जिला अस्पताल में किया जा रहा है। डॉक्टर्स की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी स्थिति पर अस्पताल प्रशासन नजर बनाए हुए है। वहीं पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। स्टेशनगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना कैसे हुई, ट्रक की रफ्तार कितनी थी और चालक की भूमिका क्या रही, इन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है स्टेशनगंज थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया- बाइक अनबैलेंस होने के कारण गिर गई थी, जिसके बाद पीछे से आ रहा ट्रक मानसी और सोमनाथ के ऊपर से गुजर गया, जबकि हल्के रोड के दूसरे छोर पर गिरा था। उसे कम चोटें आईं हैं। आगे की जांच जारी है।

खबर संक्षेप

युवक ने घर में लगाई फांसी, हुई मौत पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्टेशनगंज थाना अंतर्गत विपतपुरा निवासी सोनू रजक पिता दरबारी लाल रजक उम्र 38 वर्ष ने अपने ही घर में बीते शनिवार की रात करीब 11 बजे साड़ी के फन्दे से लटककर फांसी लगा ली परिजनों ने जब उसे फाँसी के फन्दे पर लटका देखा तो 112 पर काल कर पुलिस को सूचना दी गई पुलिस के पहुंचने पर परिजनों ने साड़ी काटकर उसे नीचे उतारा और जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं आज रविवार को स्टेशनगंज पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया हैं वहीं सोनू द्वारा ऐसा कदम क्यों उठाया गया उसकी तह तक पहुंचने के लिए पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जहर खाकर जान दे दी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के ठेमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धमना में एक ग्रामीण ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर का सेवन कर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान तूफान (45) पिता बेनी सिंह पटेल के रूप में हुई है। शनिवार रात जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। तूफान पटेल किसी निजी काम से जिला मुख्यालय नरसिंहपुर आए थे। यहां से अपने गांव लौटते समय उन्होंने महका तिराहे पर सल्फास का सेवन कर लिया। जहर खाने के तुरंत बाद उन्होंने स्वयं अपने परिजनों को फोन पर इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में महका तिराहे पर पहुंचे। उन्होंने तूफान को अचेत अवस्था में पाया और तुरंत शासकीय जिला अस्पताल नरसिंहपुर ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका तत्काल इलाज शुरू किया, लेकिन जहरीला पदार्थ पूरे शरीर में फैल चुका था। इलाज के दौरान ही तूफान पटेल ने दम तोड़ दिया।अस्पताल प्रशासन की सूचना पर अस्पताल चैकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने बताया कि तूफान किसी तनाव में नहीं थे और वे जहर खाने के कारणों से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं।<

मैहर तक 375 किमी की 14 दिवसीय मैहर पदयात्रा को पूरा करेंगे सांसद

छिन्दवाड़ा। धर्म के प्रति विशेष आस्था रखने वाले संवेदनशील सांसद बंटी विवेक साहू अब छिन्दवाड़ा से सिवनी और जबलपुर होते हुए मैहर तक 375 किलोमीटर की धार्मिक पदयात्रा करेंगें। छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा के जिलेवासियों की सुख, समृद्धि, वैभव और शांति के लिए सांसद की इस धार्मिक पदयात्रा की शुरूआत सांसद बंटी विवेक साहू के छिंदवाड़ा स्थित निवास स्थान से 01 जुलाई को दोपहर 1 बजे से होगी, 14 दिन की यह पदयात्रा 14 जुलाई को मैहर में संपन्न होगी। उल्लेखनीय है कि इस 14 दिवसीय धार्मिक पदयात्रा के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू बारिष के मौसम में सैंकड़ों गांवों कई शहरों एवं जंगलों से होते हुए अपने दृढ़ संकल्प के साथ इस पदयात्रा को पूरा करेंगें। सांसद बंटी विवेक साहू की इस 14 दिवसीय पदयात्रा में शामिल होने के इच्छुक पदयात्रियों का पंजीयन सांसद कार्यालय छिन्दवाड़ा में प्रारंभ कर दिया गया हैं। पदयात्रा में शामिल होने वाले पदयात्री सांसद कार्यालय पहुंचकर अपना पंजीयन करा सकते है। पदयात्रा के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू मार्ग में पड़ने वाले गांवों, शहरों और कस्बों में वरिष्ठजनों एवं माताओं से पदयात्रा की सफलता के लिए आषीर्वाद भी प्राप्त करेंगे।

दिव्य दिंडी यात्रा की बनी रूपरेखा

छिंदवाड़ा। आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर श्री विठ्ठल रुक्मणी के चरणों मे अर्पित की जाने वाली दिंडी यात्रा को दिव्य और भव्य रूप से मनाने का संकल्प व्यक्त किया गया। शिव गजानन मंदिर में आयोजित भव्य बैठक में सुधाकर ओकटे ने अध्यक्षता की , बैठक के आरम्भ में आनंद बक्षी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी पर प्रकाश डाला । बैठक को संबोधित करते हुए देवेंद्र निकाजू ने कहा कि धर्म नगरी छिंदवाड़ा की दिंडी यात्रा पूरे मध्य प्रदेश में प्रसिद्ध है ।

एनसीसी कैडेट्स ने पल्स पोलियो अभियान में दी सहभागिता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

28 जून सघन पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न पोलियो बूथों पर अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाने में सहयोग किया। अभियान के दौरान कैडेट्स ने विद्यालय के समीप स्थित शास्त्री वार्ड के आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक किया। यह गतिविधि विद्यालय के प्राचार्य जी. एस. पटैल एवं एनसीसी अधिकारी ए. आर. राव के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। विद्यालय परिवार ने एनसीसी कैडेट्स के इस सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं।

लोगों को सर्वधर्म समभाव के साथ जीने की जरूरत -श्रीधर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा है कि मौजूदा समय में गांधी जी और आचार्य विनोबा भावे की प्रासंगिकता है। समाज में आ रहे बदलाव के साथ नयी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हमारा दायित्व है। श्रीधर यहां पीजी कॉलेज के सभाकक्ष में शहर के गणमान्यजनों से संवाद कर रहे थे। हाल ही में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा राष्ट्रपति के मुख्य आतिथ्य में हुए दीक्षांत समारोह में श्री श्रीधर को डी.लिट.की मानद उपाधि दिए जाने के बाद गणनायक फाउंडेशन ने विचार-विमर्श और संक्षिप्त अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजित किया था। उन्होंने बताया कि समूचे विश्व में गांधी के प्रति आदर है। इसी वजह से संयुक्त राष्ट्र संघ 2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस मनाता है। उन्होंने कहा कि रामायण हमें कैसे रहना है सिखाती है। भगवत गीता हमें जीवन जीने का रास्ता दिखाती है तो महाभारत यह बताता है कि हमें क्या नहीं करना चाहिए। अब लोगों को सर्वधर्म समभाव के साथ जीने की जरूरत है। इन्होंने भी रखी अपनी बात कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश सोनी ने उदबोधन में सामाजिक सरोकारों के लिए श्री श्रीधर के उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि किसी व्यक्ति को पद्मश्री व डी.लिट.की मानद उपाधि मिली है। नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, डॉ. अनंत दुबे, मुकेश शर्मा, मुकेश नेमा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुशांत पुरोहित ने किया।

जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पिलाई गई पल्स पोलियो की दवा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में रविवार को रेडक्रास सोसयाटी नरसिंहपुर के चेयरमेन डॉ. अनंत दुबे, श्री सुनील कोठारी व अन्य चिकित्सकों ने जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। यह अभियान जिले में 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सभी अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाएं।

इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमेन डॉ. अनंत दुबे ने कहा कि ष्दो बूंद जिंदगी कीष बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। श्री सुनील कोठारी ने कहा कि समय पर टीकाकरण एवं पल्स पोलियो अभियान में सहभागिता से ही बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है। इस अवसर पर सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजकुमार चैधरी, डॉ. ए.आर. मरावी, डॉ. जी.पी. भानारिया, डॉ. विनय ठाकुर, डॉ. राहुल नेमा, प्रशांत कुमार सोनी, डॉ. राजेंद्र डेहरिया, पंकज वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

पल्स पोलियो अभियान के तहत जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में भी 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को दवा पिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे पोलियो बूथ पर जाकर अपने नवजात से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा जरूर पिलाएं। जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के द्वारा घर- घर जाकर भी बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई।

नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत 22 एकड़ क्षेत्र को हरित क्षेत्र में विकसित करने का कार्य प्रगतिरत

मंत्री श्री पटेल ने किया ग्राम नोनी करेली कलां में पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ग्राम नोनी करेली कलां में नर्मदा जी के सिद्ध घाट पर पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों व स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता से करीब 600 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान 66 चंदन के पौधों का विशेष रूप से रोपण किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनसंकल्प का प्रतीक है। मंत्री श्री पटेल ने लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में स्थानीय स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित मधुमक्खी पालन का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विधायक श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत ग्राम नोनी करेली कलां में 22 एकड़ भूमि को सुरक्षित कर उसे विकसित हरित क्षेत्र में परिवर्तित करने का महत्वाकांक्षी कार्य प्रगति पर है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेंद्र सिंह नागेश ने बताया कि नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत नर्मदा तट पर पॉलीथिन प्रतिबंधित, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष स्वीकृत 38 कार्यों के अंतर्गत आगामी 18 दिवस में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा तथा स्थल की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग आदि कार्य भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र विस्तार के इस अभियान में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

अमृत हरित अभियान के अंतर्गत सीड बॉल निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

अमृत हरित अभियान-2026 के अंतर्गत आज मॉडल फ्यूचर संस्था परिसर में जनभागीदारी आधारित सीड बॉल निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया, जो शहर में पर्यावरण संरक्षण का एक प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के एनयूएलएम (NULM) सिटी मैनेजर उमेश प्यासी, राजस्व निरीक्षक श्री ऋषभ स्थापक, मॉडल फ्यूचर संस्था एवं वार्ड क्रमांक-7 नगर विकास प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष आयशा लोधी, संस्था के कोषाध्यक्ष मोहम्मद इस्माइल कुरेशी, सह-सचिव शैलेंद्र उजवने, सदस्य कोशिमा रजक, स्व-सहायता समूह से वंदना भट्ट पगार तथा समाज कल्याण परिषद राजेश लिल्हारे, मो कलीम, मो अमीन सहित नगर निगम, स्व-सहायता समूहों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

79.92 लीटर अवैध शराब जब्त, कार समेत 6 लाख का माल बरामद

अमरवाड़ा पुलिस की कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमरवाड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 79.92 लीटर अवैध शराब जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 60 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान शराब परिवहन में प्रयुक्त कार सहित कुल लगभग 6 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया गया।

मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 जून को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ लोग कार में अवैध शराब लेकर बैतूल की ओर से अमरवाड़ा आ रहे हैं।

सूचना के आधार पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर वाहन चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान कार से कुल 444 पाव (79.92 लीटर) देशी मसाला शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कीमत करीब 60 हजार रुपये आंकी गई है। साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया। जब्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये बताई गई है।पुलिस ने इस मामले में संजय धुर्वे (23), निवासी ग्राम बराई, विक्रम उर्फ बंटी (25), निवासी अमरवाड़ा तथा मनोज उर्फ छोटू (24), निवासी छिंदवाड़ा को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।